चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 18 जुलाई 2026, अंक –314.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

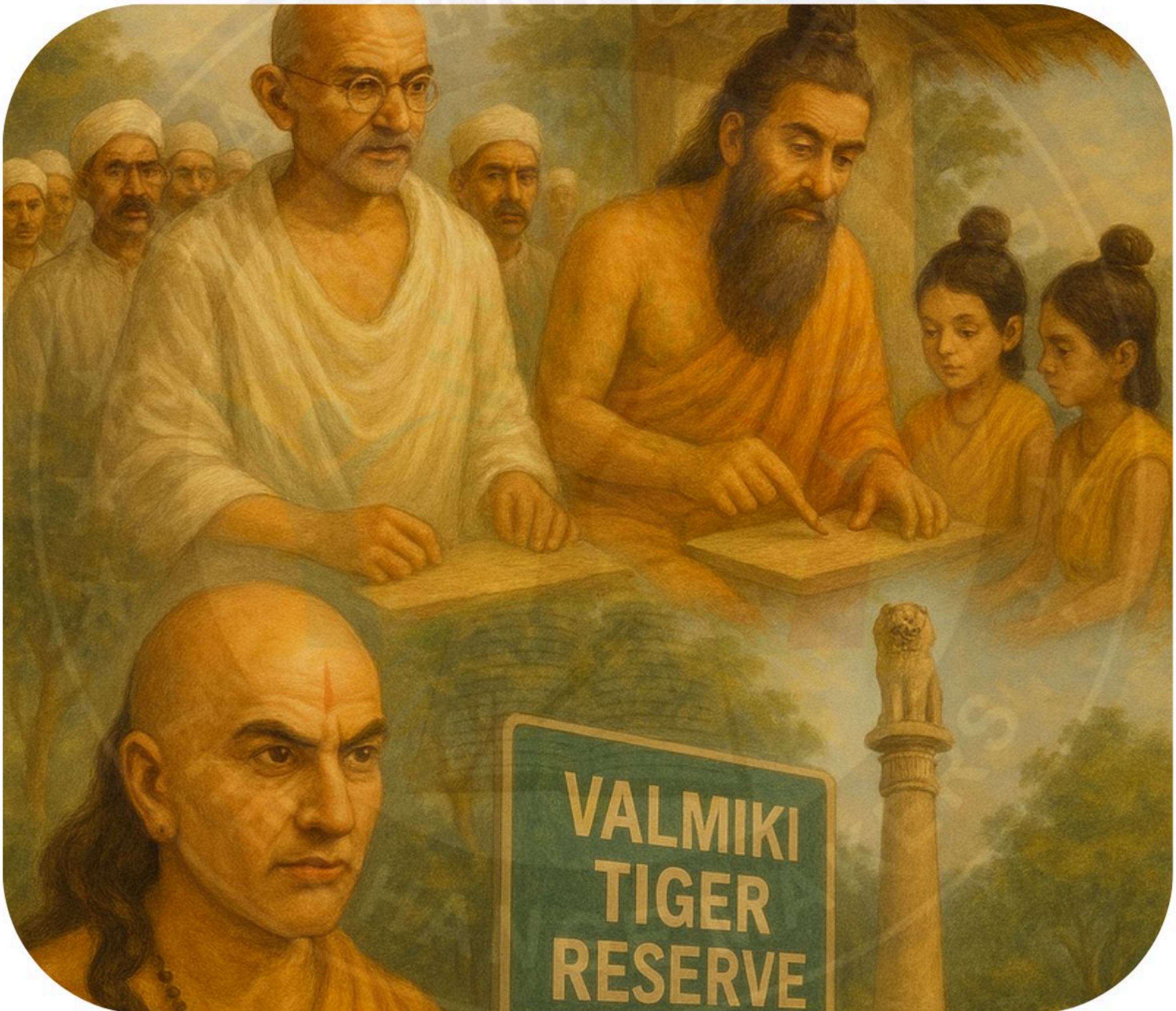

"जो प्रश्न पूछता है वह पाँच मिनट के लिए मूर्ख रहता है,
जो नहीं पूछता वह जीवनभर के लिए।"

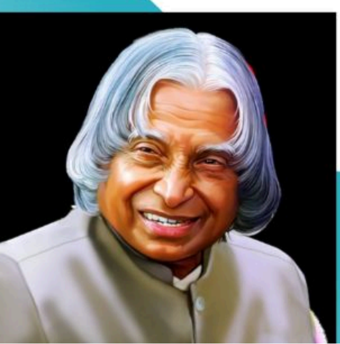

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

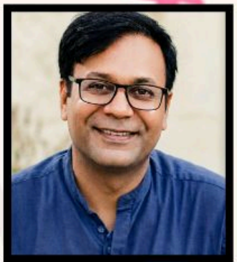

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जर्मनी की राजधानी क्या है?
उत्तर: बर्लिन
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थीं?
उत्तर: सुचेता कृपलानी
प्रश्न 3. 'घूमर' नृत्य मुख्यतः किस समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाता है?
उत्तर: राजपूत
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के अंतिम दो अंक 00 हों, तो वह 100 से कैसी होगी?
उत्तर: विभाज्य
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'मां मंगला गौरी मंदिर' स्थित है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. पेंच राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. ट्रांजिस्टर का आविष्कार किन वैज्ञानिकों ने किया था?
उत्तर: बार्डीन, ब्रैटेन, शॉक्ली
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'अल्पसंख्यकों को अपनी शिक्षा-संस्थाएँ स्थापित करने का अधिकार' दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 30
प्रश्न 9. 'मीठा बोलने वाला' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: मृदुभाषी
प्रश्न 10. सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह कौन-सा है?
उत्तर: बुध

संकलन:-
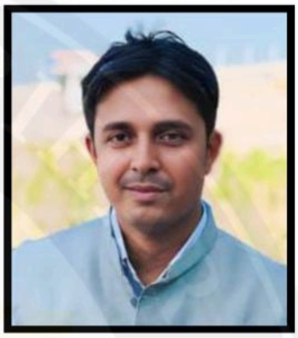
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Ant – (ऐन्ट) – चींटी
Mosquito – (मॉस्किटो) – मच्छर
Housefly – (हाउसफ्लाई) – घरेलू मक्खी
Spider – (स्पाइडर) – मकड़ी
Scorpion – (स्कॉर्पियन) – बिच्छू
Earthworm – (अर्थवर्म) – केंचुआ
Snail – (स्नेल) – घोंघा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Polite Imperative Sentences (Please वाले विनम्र अनुरोध)

कृपया बैठ जाइए। – Please sit down.
कृपया मेरी मदद कीजिए। – Please help me.
कृपया धीरे बोलिए। – Please speak slowly.
कृपया दरवाज़ा बंद कर दीजिए। – Please close the door.
कृपया अपना नाम लिखिए। – Please write your name.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 18 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस (Nelson Mandela International Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 18 जुलाई को "नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस" मनाया जाता है — यह दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला (1918-2013) की जन्मतिथि है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नवंबर 2009 में इसे आधिकारिक रूप से मान्यता दी और पहली बार 18 जुलाई 2010 को मनाया गया। इस दिन लोगों से "67 मिनट" सामुदायिक सेवा में देने का आह्वान किया जाता है — यह 67 वर्षों का प्रतीक है जो मंडेला ने रंगभेद विरोधी संघर्ष में लगाए। मंडेला 1994 से 1999 तक दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति रहे। उन्हें 1993 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला। उनका उद्धरण "It always seems impossible, until it is done" विश्वभर में प्रेरणा का स्रोत है।
संदर्भ: nationaltoday.com Nelson Mandela Day 2026

प्र.2. FIFA विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया — 19 जुलाई 2026 को होने वाले फाइनल में अर्जेंटीना का मुकाबला किससे है और यह मुकाबला किस स्टेडियम में खेला जाएगा? (समसामयिक घटना)
उत्तर: स्पेन; मेटलाइफ स्टेडियम, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी, USA)
व्याख्या: अर्जेंटीना ने नाटकीय वापसी करते हुए इंग्लैंड को हराकर FIFA विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश किया। (ESPN) 19 जुलाई 2026 को स्पेन बनाम अर्जेंटीना का फाइनल मेटलाइफ स्टेडियम, ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) में खेला जाएगा। (ESPN) स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर 2010 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया था। (ESPN) 18 जुलाई को तीसरे स्थान के लिए फ्रांस और इंग्लैंड का मुकाबला मियामी गार्डन्स में था। (ESPN) यह विश्व कप इतिहास में पहला अवसर होगा जब अर्जेंटीना लगातार दो विश्व कप खिताब जीतने का प्रयास करेगा। FIFA विश्व कप 1930 में उरुग्वे में प्रारंभ हुआ था।
संदर्भ: espn.com World Cup 2026 Schedule, 16-17 July 2026

प्र.3. "लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम" (Long Walk to Freedom) किसकी आत्मकथा है जो रंगभेद विरोधी संघर्ष का जीवंत दस्तावेज़ है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: नेल्सन मंडेला
व्याख्या: "लॉन्ग वॉक टू फ्रीडम" (Long Walk to Freedom, 1994) दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की विश्वप्रसिद्ध आत्मकथा है। इसमें उनके बचपन, कानूनी करियर, रंगभेद विरोधी संघर्ष, 27 वर्षों के कारावास (1964-1990 — रॉबेन द्वीप सहित) और अंततः दक्षिण अफ्रीका के प्रथम लोकतांत्रिक चुनाव तक की यात्रा का मार्मिक वर्णन है। यह पुस्तक उसी वर्ष प्रकाशित हुई जब मंडेला राष्ट्रपति बने। "मंडेला दिवस" के अवसर पर यह पुस्तक विशेष रूप से प्रासंगिक है। मंडेला के संगठन "अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस" (ANC) ने दक्षिण अफ्रीका की स्वतंत्रता में निर्णायक भूमिका निभाई।
संदर्भ: नेल्सन मंडेला — "Long Walk to Freedom", 1994;

प्र.4. वन्यजीव संरक्षण के संदर्भ में "रेड डेटा बुक" (Red Data Book) क्या है और इसे कौन सा अंतरराष्ट्रीय संगठन प्रकाशित करता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची; IUCN
व्याख्या: "रेड डेटा बुक" (Red Data Book) वह आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज़ है जिसमें विश्व की विलुप्तप्राय एवं संकटग्रस्त जंतु, पादप और कवक प्रजातियों की सूची और उनकी स्थिति का विवरण होता है। इसे "IUCN" (International Union for Conservation of Nature) प्रकाशित करता है। IUCN ने प्रजातियों को 9 श्रेणियों में वर्गीकृत किया है जिनमें "विलुप्त" (Extinct), "गंभीर रूप से संकटग्रस्त" (Critically Endangered), "संकटग्रस्त" (Endangered) और "सुभेद्य" (Vulnerable) प्रमुख हैं। भारत के "बाघ", "एशियाई शेर", "हिम तेंदुआ" IUCN की सूची में हैं। "प्रोजेक्ट टाइगर" (1973) भारत का IUCN-प्रेरित संरक्षण कार्यक्रम है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 87–89.

प्र.5. "विजयनगर साम्राज्य" (Vijayanagara Empire) की स्थापना किसने और कब की — और इसकी राजधानी "हम्पी" किस नदी के तट पर स्थित थी? (इतिहास)
उत्तर: हरिहर और बुक्का (1336 ई.); तुंगभद्रा नदी
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर प्रथम और बुक्का राय ने की थी। इसकी राजधानी "विजयनगर" (आधुनिक हम्पी, कर्नाटक) तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित थी। यह साम्राज्य 14वीं से 17वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत का सबसे शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य था। कृष्णदेवराय (1509-1529) इस साम्राज्य के सबसे महान शासक थे जिनके काल में तेलुगू साहित्य का स्वर्णयुग आया। "अष्टदिग्गज" (आठ कवि) उनके दरबार में थे। 1565 में "तालीकोटा के युद्ध" में बहमनी सल्तनत के उत्तराधिकारियों से पराजय के बाद साम्राज्य का पतन हुआ। हम्पी UNESCO विश्व धरोहर स्थल है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 7 The Vijayanagara Empire, p. 88–94.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "उष्णकटिबंधीय वर्षावन" (Tropical Rainforest) मुख्यतः किन क्षेत्रों में पाए जाते हैं और इनकी प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? (भूगोल)
उत्तर: पश्चिमी घाट, अंडमान-निकोबार, पूर्वोत्तर भारत; सघन, सदाबहार, उच्च वर्षा
व्याख्या: उष्णकटिबंधीय वर्षावन (Tropical Rainforest) भारत में मुख्यतः तीन क्षेत्रों में पाए जाते हैं: (1) पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र), (2) अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, और (3) पूर्वोत्तर भारत (असम, मेघालय, मणिपुर)। इनकी प्रमुख विशेषताएँ: वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक, वृक्षों की ऊँचाई 60 मीटर तक, सदाबहार (Evergreen) पत्तियाँ, घना वितान (Canopy) जो सूर्य के प्रकाश को रोकता है। यहाँ जैव विविधता सर्वाधिक होती है। महोगनी, आबनूस, रोज़वुड यहाँ के प्रमुख वृक्ष हैं। मेघालय का "चेरापूँजी" भारत की सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में से एक है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 5 Natural Vegetation and Wildlife, p. 46–49.

प्र.7. भारतीय संविधान में "मूल कर्तव्य" (Fundamental Duties) कितने हैं, किस संशोधन द्वारा जोड़े गए और ये किस अनुच्छेद में हैं? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: 11 कर्तव्य; 42वाँ (1976) और 86वाँ (2002) संशोधन; अनुच्छेद 51A
व्याख्या: मूल कर्तव्य (Fundamental Duties) संविधान के भाग IV-A में अनुच्छेद 51A के अंतर्गत हैं। मूलतः 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा सोवियत संघ के संविधान से प्रेरणा लेकर 10 मूल कर्तव्य जोड़े गए। 86वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा 11वाँ कर्तव्य — "6-14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का अवसर देना" — जोड़ा गया। इनमें संविधान का पालन, राष्ट्रगान-राष्ट्रध्वज का सम्मान, राष्ट्रीय एकता बनाए रखना, पर्यावरण रक्षा जैसे कर्तव्य हैं। ये न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं हैं। "स्वर्ण सिंह समिति" (1976) ने इन्हें जोड़ने की सिफारिश की थी।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 96–97; Constitution of India, Article 51A.

प्र.8. "ध्वनि का परावर्तन" (Reflection of Sound) से उत्पन्न होने वाली "प्रतिध्वनि" (Echo) सुनाई देने के लिए परावर्तक सतह की न्यूनतम दूरी कितनी होनी चाहिए और क्यों? (विज्ञान)
उत्तर: कम से कम 17 मीटर
व्याख्या: ध्वनि के परावर्तन से "प्रतिध्वनि" (Echo) तब सुनाई देती है जब मूल ध्वनि और परावर्तित ध्वनि के बीच कम से कम 0.1 सेकंड का अंतर हो, क्योंकि मनुष्य का कान 0.1 सेकंड से कम के अंतर को अलग-अलग नहीं सुन सकता। ध्वनि की गति वायु में लगभग 344 मीटर/सेकंड होती है। इसलिए 0.1 सेकंड में ध्वनि 344 × 0.1 = 34.4 मीटर की यात्रा करती है — किंतु यह दूरी जाने और आने दोनों मिलाकर है। अतः परावर्तक सतह की न्यूनतम दूरी = 34.4 ÷ 2 ≈ 17 मीटर। बड़े सभागारों की दीवारों पर ध्वनि-अवशोषक पदार्थ इसीलिए लगाए जाते हैं ताकि प्रतिध्वनि से बचा जा सके।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 13 Sound, p. 161–163.

प्र.9. "एलोरा की गुफाएँ" (Ellora Caves) किस राज्य में हैं और यहाँ किन तीन धर्मों की गुफाएँ एक साथ हैं — इनमें सबसे प्रसिद्ध "कैलाश मंदिर" (गुफा 16) किसके शासनकाल में बना? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: महाराष्ट्र; हिंदू, बौद्ध, जैन; राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम
व्याख्या: एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं। यहाँ 34 गुफाएँ हैं जो तीन धर्मों की हैं: बौद्ध (1-12), हिंदू (13-29) और जैन (30-34)। इनका निर्माण लगभग 6वीं-11वीं शताब्दी में हुआ। गुफा 16 "कैलाश मंदिर" एक ही पर्वत-शिला से उत्कीर्ण विश्व का सबसे बड़ा एकाश्म (Monolithic) मंदिर है। इसे राष्ट्रकूट वंश के राजा कृष्ण प्रथम (756-773 ई.) ने भगवान शिव को समर्पित बनवाया। UNESCO ने 1983 में एलोरा को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। एलोरा और अजंता की गुफाएँ एक साथ UPSC में महत्वपूर्ण विषय हैं।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 11 Buildings Paintings and Books, p. 130–132; NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 4, p. 52–55.

प्र.10. बिहार के "सारण जिले" (छपरा) में कौन सा प्रसिद्ध धार्मिक-ऐतिहासिक स्थल है जो हिंदू मान्यता में भगवान राम के गुरु "विश्वामित्र" के आश्रम के रूप में जाना जाता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: चिरांद (Chirand) और वाल्मीकि आश्रम, बक्सर
व्याख्या: सारण जिले में "चिरांद" एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है जहाँ नवपाषाण काल से लेकर मौर्य काल तक के अवशेष मिले हैं — यह बिहार के सबसे पुराने मानव-बस्ती स्थलों में से एक है। सारण जिले के निकट "बक्सर" में भगवान राम के गुरु विश्वामित्र का आश्रम माना जाता है जहाँ बाल राम और लक्ष्मण ने ताड़का वध और विभिन्न यज्ञों की रक्षा की थी। यह "वाल्मीकि रामायण" में वर्णित है। बक्सर का ऐतिहासिक महत्व 1764 के "बक्सर युद्ध" के कारण भी है। सारण जिले में ही "सोनपुर मेला" आयोजित होता है।
संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal; Valmiki Ramayana — Balakanda; Bihar GK BPSC Reference Compendium; ASI Archaeological Records — Chirand.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के बाद विद्यालय पुनः खुलने पर बच्चों में "आपदा-पश्चात् मनोवैज्ञानिक प्रभाव" (Post-Disaster Psychological Impact) कैसे पहचानें और शिक्षक क्या करें? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: भय/चुप्पी/एकांत = संकेत; बात करें, खेल कराएँ, अभिभावक से जोड़ें

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई W4 – पुनर्वास चरण) के अनुसार, बाढ़ के बाद बच्चों में मनोवैज्ञानिक आघात (Psychological Trauma) के लक्षण हो सकते हैं: अत्यधिक चुप्पी, भयभीत रहना, एकांत में बैठना, पढ़ाई में ध्यान न लगना, बार-बार बाढ़ के बारे में बात करना या सपने आना। शिक्षकों को: (1) बच्चों से सहानुभूतिपूर्वक बात करें – "तुम सुरक्षित हो" का भरोसा दिलाएँ; (2) समूह गतिविधियाँ, खेल और कला से उन्हें सामान्य दिनचर्या में लाएँ; (3) गंभीर लक्षण वाले बच्चों के अभिभावकों को सूचित करें और मनोस्वास्थ्य सेवा से जोड़ें। बाल मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य भी आपदा प्रबंधन का अनिवार्य अंग है।

संदर्भ: BSDMA Post-Flood School Recovery Module, July W4;

प्र.12. यदि किसी संख्या के तीन गुने में से उस संख्या के आधे को घटाया जाए तो परिणाम 100 आता है। वह संख्या क्या है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 40

व्याख्या: माना संख्या = x। समीकरण: $3x - x/2 = 100 \rightarrow (6x - x)/2 = 100 \rightarrow 5x/2 = 100 \rightarrow 5x = 200 \rightarrow x = 40$। सत्यापन: $3 \times 40 = 120$; $40 \div 2 = 20$; $120 - 20 = 100$ ✓। इस प्रश्न में "एक चर वाले रैखिक समीकरण" और "भिन्न" दोनों का उपयोग एक साथ होता है। ऐसे प्रश्न BPSC, SSC CGL, Railway एवं Bank PO की परीक्षाओं के Quantitative Aptitude खंड में प्रायः पूछे जाते हैं। सूत्र: "तीन गुना" = 3x; "आधा" = x/2।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 2 Linear Equations in One Variable, p. 21–25;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

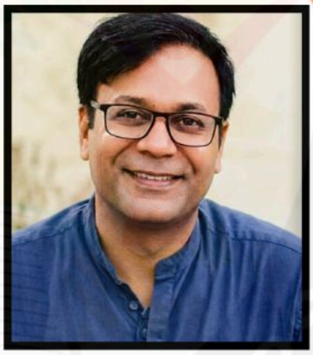

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fortuitous (फॉर्चूइटस) = Accidental (ऐक्सिडेंटल) = आकस्मिक / संयोगवश होने वाला
Antonym – Deliberate (डिलिबरेट) = जानबूझकर किया गया

Garrulous (गैर्युलस) = Talkative (टॉकेटिव) = बहुत अधिक बोलने वाला
Antonym – Reticent (रेटिसेन्ट) = अल्पभाषी / कम बोलने वाला

Hiatus (हायेटस) = Break (ब्रेक) = विराम / अंतराल
Antonym – Continuity (कॉन्टिन्यूइटी) = निरंतरता

Infallible (इनफैलिबल) = Unerring (अनएरिंग) = अचूक / त्रुटिहीन
Antonym – Fallible (फैलिबल) = त्रुटिपूर्ण / गलती करने योग्य

Juxtapose (जक्स्टापोज़) = Place side by side (प्लेस साइड बाय साइड) = साथ-साथ रखकर तुलना करना
Antonym – Separate (सेपरेट) = अलग करना

~: **संकलन** :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Finance Notifies New 'Comprehensive Digital Tax Code (CDTC)' to Replace Income Tax Act, Aiming to Simplify Corporate and Individual Direct Tax Structure.
हिन्दी अनुवाद: वित्त मंत्रालय ने कॉरपोरेट और व्यक्तिगत प्रत्यक्ष कर ढांचे को सरल बनाने के उद्देश्य से आयकर अधिनियम को प्रतिस्थापित करने के लिए नए 'व्यापक डिजिटल कर कोड (CDTC)' को अधिसूचित किया।
केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने दशकों पुराने आयकर कानून में बड़े सुधार की घोषणा की है। इस नए कोड के तहत कर अनुपालन (Tax Compliance) को पूरी तरह से डिजिटल और एआई-सत्यापित किया जाएगा। नीति का उद्देश्य कर विवादों को कम करना, मुकदमों में तेजी से कमी लाना और विदेशी निवेशकों के लिए नियमों को अधिक पारदर्शी बनाना है। यह नया ढांचा अगले वित्तीय वर्ष से देश भर में प्रभावी होगा।

English Headline: ISRO Unveils 'Project Akashdeep' to Build India's First Dedicated Low-Earth Orbit Space Debris Mitigation Satellite.
हिन्दी अनुवाद: इसरो (ISRO) ने भारत के पहले समर्पित लो-अर्थ ऑर्बिट (LEO) अंतरिक्ष मलबा शमन उपग्रह के निर्माण के लिए 'प्रोजेक्ट आकाशदीप' का अनावरण किया।
अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में जिम्मेदारी और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक नए मिशन की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत विकसित किया जाने वाला उपग्रह निष्क्रिय हो चुके पुराने सैटेलाइट्स और अंतरिक्ष मलबे (Space Debris) को ट्रैक कर उन्हें सुरक्षित रूप से नष्ट करने या उनकी कक्षा बदलने का काम करेगा, जिससे भविष्य के उपग्रह मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

English Headline: Ministry of Rural Development Announces Implementation of Drone-Based Asset Mapping Nationwide Under the SVAMITVA 2.0 Scheme.
हिन्दी अनुवाद: ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 'स्वामित्व 2.0' योजना के तहत देश भर में ड्रोन-आधारित संपत्ति मानचित्रण (एसेट मैपिंग) को लागू करने की घोषणा की।
ग्रामीण भारत में संपत्ति के अधिकारों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अपने प्रमुख कार्यक्रम के दूसरे चरण का दायरा बढ़ा दिया है। इस नीति के तहत, आधुनिक उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले ड्रोनों का उपयोग करके गांवों की आवासीय संपत्तियों का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे ग्रामीण निवासियों को ऋण और अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: G20 Environment Ministers Finalize the 'Geneva Declaration on Sustainable Ocean Management' to Strictly Limit Deep-Sea Commercial Operations.
हिन्दी अनुवाद: G20 पर्यावरण मंत्रियों ने गहरे समुद्र में वाणिज्यिक संचालन को कड़ाई से सीमित करने के लिए 'सतत महासागर प्रबंधन पर जिनेवा घोषणा' को अंतिम रूप दिया।
जिनेवा में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के दौरान दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने समुद्री जैव विविधता को बचाने के लिए एक साझा संकल्प लिया है। इस नए समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र (International Waters) में होने वाले अनियंत्रित वाणिज्यिक खनन और गहरे समुद्र की अनधिकृत गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से वैश्विक नियामक मानक लागू किए जाएंगे।

English Headline: World Bank Approves $750 Million Development Policy Loan for South Asian Grid Interconnection to Enhance Regional Clean Energy Trade.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक ने क्षेत्रीय स्वच्छ ऊर्जा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण एशियाई ग्रिड इंटरकनेक्शन हेतु 750 मिलियन डॉलर के विकास नीति ऋण को मंजूरी दी।
दक्षिण एशिया के देशों में ऊर्जा सुरक्षा और अक्षय ऊर्जा के साझा उपयोग को मजबूत करने के लिए विश्व बैंक ने एक बड़ा वित्तीय पैकेज जारी किया है। इस राशि का मुख्य उपयोग भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच सीमा पार ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण और एक एकीकृत स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क विकसित करने के लिए किया जाएगा।

English Headline: International Atomic Energy Agency (IAEA) Launches 'Nuclear Medicine Access Initiative' to Provide Affordable Radiotherapy Equipment to Developing Nations.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने विकासशील देशों को किफायती रेडियोथेरेपी उपकरण प्रदान करने के लिए 'परमाणु चिकित्सा पहुंच पहल' की शुरुआत की।
वियना में मुख्यालय वाली आईएईए (IAEA) ने कैंसर के उपचार में परमाणु तकनीक के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक नई वैश्विक परियोजना शुरू की है। इसके तहत गरीब और कम आय वाले देशों के अस्पतालों को उन्नत चिकित्सा उपकरण, तकनीकी प्रशिक्षण और आवश्यक सुरक्षात्मक कवच (शील्डिंग) बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Government Launches 'Mukhyamantri Udyami Sahayata Portal' to Disburse Interest-Free Micro-Loans Directly to Aspiring Women Entrepreneurs.
हिन्दी अनुवाद: बिहार सरकार ने महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों को सीधे ब्याज मुक्त सूक्ष्म ऋण वितरित करने के लिए 'मुख्यमंत्री उद्यमी सहायता पोर्टल' लॉन्च किया।
राज्य में महिला सशक्तिकरण और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विभाग ने एक नया डिजिटल मंच शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत महिला स्वयं सहायता समूहों और व्यक्तिगत उद्यमियों को अपना व्यवसाय शुरू करने या उसे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सीधे बैंक खातों में वित्तीय सहायता और विपणन (मार्केटिंग) प्रशिक्षण दिया जाएगा।

English Headline: Bihar State Educational Board Introduces Mandatory AI-Literacy and Coding Modules in Curriculum for Classes 6 to 8 Across Government Schools.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य शिक्षा बोर्ड ने सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 8 के पाठ्यक्रम में अनिवार्य एआई-साक्षरता और कोडिंग मॉड्यूल पेश किए।
नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के अनुरूप, बिहार के शिक्षा विभाग ने स्कूली शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शैक्षणिक सत्र के अगले चरण के तहत, सरकारी स्कूलों के मध्य वर्ग के छात्रों को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, बुनियादी लॉजिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्राथमिक सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा, ताकि वे भविष्य की डिजिटल आवश्यकताओं के लिए तैयार हो सकें।

SPORTS NEWS

English Headline: India's Shuttler Priyanshu Rajawat Clinches Men's Singles Gold Medal at the BWF Super 300 US Open Badminton Championships 2026.
हिन्दी अनुवाद: भारत के शटलर प्रियांशू राजावत ने बीडब्ल्यूएफ (BWF) सुपर 300 यूएस ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता।
टेक्सास में आयोजित फाइनल मुकाबले में भारत के उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशू राजावत ने अपनी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को सीधे सेटों में शिकस्त दी। इस शानदार जीत से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर अपनी रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

English Headline: International Weightlifting Federation (IWF) Announces Upgraded Electronic Scoring and Real-Time Bio-Mechanics Video Review Systems for Global Meets.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (IWF) ने वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग और रीयल-टाइम बायो-मैकेनिक्स वीडियो समीक्षा प्रणालियों की घोषणा की।
भारोत्तोलन स्पर्धाओं में निर्णयों को अधिक पारदर्शी, सटीक और त्रुटिहीन बनाने के लिए आईडब्लूएफ (IWF) ने एक नया तकनीकी अपडेट जारी किया है। आगामी विश्व चैंपियनशिप और बड़े आयोजनों में खिलाड़ियों के लिफ्ट करने के कोण (Angle) और तकनीक की बारीकी से जांच करने के लिए एआई-कैमरों का उपयोग किया जाएगा, जिससे निर्णायकों (Referees) को सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ी जीत

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन के 27 वर्ष जेल में बिताए। उन पर अनेक कठिनाइयाँ आईं, लेकिन उन्होंने कभी अपने मन में नफ़रत को जगह नहीं दी।

राष्ट्रपति बनने के कुछ समय बाद वे एक दिन अपने सहयोगियों के साथ एक छोटे से भोजनालय में भोजन करने पहुँचे। तभी उनकी नज़र एक वृद्ध व्यक्ति पर पड़ी, जो एक कोने में अकेला बैठा था।

मंडेला ने उसे अपने पास बुलाया और साथ बैठकर भोजन करने का आग्रह किया।

भोजन के दौरान वह व्यक्ति लगातार काँप रहा था। भोजन समाप्त होने के बाद वह चुपचाप वहाँ से चला गया।

मंडेला के एक सहयोगी ने कहा, “लगता है, वह व्यक्ति बहुत बीमार था।”

मंडेला मुस्कुराए और बोले, “नहीं, वह बीमार नहीं था। जब मैं जेल में था, तब वही जेल अधिकारी था। कई बार उसने मेरे साथ कठोर व्यवहार किया। आज उसे लगा कि शायद मैं राष्ट्रपति बनकर उससे बदला लूँगा।”

सभी आश्चर्यचकित रह गए।

मंडेला ने शांत स्वर में कहा, “यदि मैं बदले की भावना अपने साथ लेकर चलता, तो मैं जेल से बाहर आने के बाद भी अपने मन का कैदी बना रहता। क्षमा करना ही सच्ची स्वतंत्रता है।”

उस दिन उनके सहयोगियों ने समझा कि महान नेता वही होता है, जो बदला नहीं, बल्कि बदलाव का मार्ग चुनता है।

सीख: क्षमा करना कमजोरी नहीं, बल्कि महान चरित्र की पहचान है। जो व्यक्ति अपने क्रोध पर विजय पा लेता है, वही जीवन की सबसे बड़ी जीत हासिल करता है।

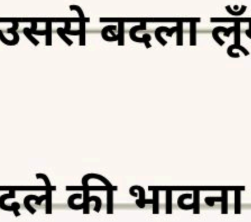

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

रचनात्मक बनाम योगात्मक मूल्यांकन- सुधार का मार्ग और प्रगति का लेखा-जोखा

शिक्षक साथियों, शिक्षाशास्त्र में एक बहुत ही प्रसिद्ध उदाहरण है— "जब एक रसोइया सूप (Soup) बनाते समय उसे बीच में चखता है, तो वह रचनात्मक मूल्यांकन है; लेकिन जब वह सूप मेहमानों के सामने परोस देता है और मेहमान उसे चखते हैं, तो वह योगात्मक मूल्यांकन है।" हमारी कक्षाओं में भी मूल्यांकन ठीक इसी तरह दो रूपों में काम करता है।

1. रचनात्मक/रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment - Assessment for Learning): यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर चलने वाला आकलन है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को अंक या ग्रेड देना नहीं होता, बल्कि यह जानना होता है कि बच्चे कहाँ अटक रहे हैं। यह शिक्षक और छात्र दोनों को 'फीडबैक' (पृष्ठपोषण) देता है। यदि बच्चा नहीं समझ पा रहा, तो शिक्षक तुरंत अपनी विधि बदल देता है। इसमें बच्चों को अपनी गलती सुधारने के असीमित अवसर मिलते हैं।
2. योगात्मक/संकलनात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment - Assessment of Learning): यह एक निश्चित अवधि (जैसे— छमाही या वार्षिक परीक्षा) के अंत में होता है। इसका उद्देश्य यह जानना है कि बच्चे ने पूरे सत्र या इकाई में कुल कितना सीखा। यह अंतिम परिणाम, ग्रेडिंग या प्रोन्नति (Promotion) के लिए होता है। इसमें सुधार की गुंजाइश नहीं होती, यह केवल एक लेखा-जोखा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) स्पष्ट रूप से वकालत करती है कि हमें अपनी शिक्षण व्यवस्था को 'योगात्मक' से हटाकर अधिक से अधिक 'रचनात्मक' की ओर ले जाना होगा ताकि बच्चों पर से सालाना परीक्षा का मानसिक तनाव कम हो सके।

उदाहरण:

आइए इसे कक्षा 5 की गणित की कक्षा में 'भाग' (Division) की अवधारणा से समझते हैं:

- रचनात्मक मूल्यांकन का दृश्य: आप बच्चों को भाग के सवाल हल करने के लिए देते हैं। आप कक्षा में घूम-घूम कर बच्चों की कॉपियां देख रहे हैं। आप देखते हैं कि 'अमित' घटाने में तो सही है, लेकिन वह पहाड़ा गलत पढ़ रहा है जिसके कारण भाग का उत्तर गलत आ रहा है। आप तुरंत अमित के पास बैठते हैं और उसे पहाड़े सुधारने में मदद करते हैं। यहाँ आपने कोई नंबर नहीं दिया, बल्कि उसकी सीखने की प्रक्रिया के दौरान ही उसकी कमी को दूर कर दिया। यह रचनात्मक मूल्यांकन है।
- योगात्मक मूल्यांकन का दृश्य: तीन महीने बाद सत्र का अंत होता है और वार्षिक परीक्षा का पेपर अमित के सामने आता है। उसमें भाग का एक सवाल है। अमित घबराहट में उसे गलत कर देता है। आप कॉपी जांचते हैं और उसे 0 अंक दे देते हैं। अब रिपोर्ट कार्ड तैयार हो चुका है, अमित को पता चल गया कि वह फेल है, लेकिन अब उसके पास सुधार का कोई मौका नहीं है। यह योगात्मक मूल्यांकन है।

शिक्षक साथियों, एक आदर्श समावेशी कक्षा में हमारी 80% ऊर्जा रचनात्मक मूल्यांकन पर लगनी चाहिए। इसके लिए हमें रोज़ कोई लिखित परीक्षा लेने की आवश्यकता नहीं है। कक्षा में पूछा गया एक त्वरित प्रश्न, बच्चों द्वारा किया गया समूह कार्य, एक छोटी पहेली, या बच्चों का अवलोकन (Observation)—ये सभी रचनात्मक मूल्यांकन के सशक्त उपकरण हैं। जब हम रोज़ाना छोटे स्तर पर बच्चों का आकलन करते हैं, तो योगात्मक (वार्षिक) परीक्षा का डर बच्चों के मन से हमेशा के लिए गायब हो जाता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि मूल्यांकन का प्राथमिक उद्देश्य बच्चों की कमियों को उजागर करके उन्हें नीचा दिखाना नहीं है, बल्कि समय रहते उन कमियों को दूर करके उन्हें सफलता की ओर ले जाना है। योगात्मक मूल्यांकन हमें केवल यह बताता है कि बच्चा कहाँ पहुँचा, लेकिन रचनात्मक मूल्यांकन हमें वहाँ तक पहुँचने का रास्ता दिखाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बच्चों को अपनी गलतियों को सुधारने का मौका मिलता है या सीधा 'लाल पेन' का सामना करना पड़ता है?

.................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

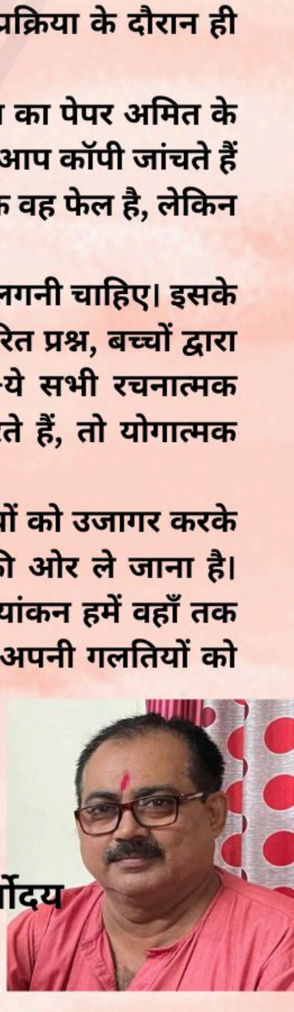

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> **फूदन राम**, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : भागलपुर, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

भागलपुरः अंग प्रदेश की भौगोलिक रीढ़, गंगा का उत्तर-प्रवाह और विशिष्ट दीयारा

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से भागलपुर केवल एक जिला नहीं, बल्कि पूर्वी बिहार का सबसे बड़ा व्यापारिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक केंद्र है, जो भागलपुर प्रमंडल का गौरवशाली मुख्यालय भी है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में नवगछिया अनुमंडल के पार मधेपुरा और पूर्णिया, पूर्व में कटिहार और पश्चिम बंगाल के सीमांतों, दक्षिण में बांका (जो कभी इसी का हिस्सा था) तथा पश्चिम में मुंगेर और खगड़िया जिलों को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति भागलपुर को झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत (North-East India) को आपस में जोड़ने वाला एक अनिवार्य सामरिक गलियारा बनाती है।

इस जिले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता पवित्र गंगा नदी का विस्तृत पाट और इसका उत्तर-वाहिनी स्वरूप है। मुंगेर से बहकर आती हुई गंगा भागलपुर में एक विशाल मैदान का निर्माण करती है। नदी का मुख्य प्रवाह जिले को दो स्पष्ट भागों में विभाजित करता है—उत्तरी भाग (नवगछिया बेल्ट), जो पूरी तरह से कोसी और गंगा के जलीय प्रभावों से निर्मित है, और दक्षिणी भाग, जो धीरे-धीरे छोटानागपुर पठार की मंद ढालों से मिलता है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से 'टाल' मिट्टी और 'नवीन जलोढ़' (खादर) का एक बेहतरीन मिश्रण है, जिसमें फॉस्फोरस और कार्बनिक तत्वों की प्रचुरता पाई जाती है। यह दोहरी भू-वैज्ञानिक संरचना इस जिले को बहु-फसली कृषि के लिए एक आदर्श मैदान बनाती है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी और वैश्विक पहचान यहाँ का विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य (Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary) है। सुल्तानगंज से लेकर कहलगंज तक गंगा नदी का लगभग 60 किलोमीटर का यह जलीय क्षेत्र भारत का एकमात्र डॉल्फिन अभ्यारण्य है। मीठे पानी की लुप्तप्राय गाद-डॉल्फिन (सोंस या सुइस) के संरक्षण के लिए यह इको-सिस्टम दुनिया भर के पर्यावरणविदों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इसके समांतर, भागलपुर का 'नवगछिया दियारा' अपनी अनूठी जलीय पारिस्थितिकी के लिए विख्यात है, जहाँ गंगा और कोसी के कछारों में विस्तृत उपजाऊ सिल्ट हर साल खेती को बिना किसी रासायनिक खाद के समृद्ध बनाती है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है, जो स्थानीय स्तर पर विशिष्ट बागवानी फसलों के लिए दुनिया का सबसे बेहतरीन वातावरण तैयार करती है। भागलपुर की मिट्टी और हवा की विशिष्ट आर्द्रता का ही परिणाम है कि यहाँ का विश्वप्रसिद्ध 'जर्दालु आम' (अपनी बेजोड़ खुशबू और सुनहरे रंग के लिए प्रसिद्ध, जिसे GI Tag प्राप्त है) और नवगछिया का केला बेल्ट राष्ट्रीय स्तर पर कृषि-वाणिज्य की रीढ़ हैं। परंतु, इस प्रचुर जलीय संपदा के साथ भागलपुर को प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान गंगा के भीषण उफान, बाढ़ और दियारा क्षेत्रों में तीव्र भू-कटाव (River Bank Erosion) की गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है, जो यहाँ की आर्थिकी की नियति को तय करता है।

गंगा के इस विशाल जलीय गलियारे, गांगेय डॉल्फिन की संरक्षित लहरों और जर्दालु आम की महक से सराबोर खेतों का यह प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण पूर्वी बिहार की प्राकृतिक संपदा और पर्यावरण प्रबंधन को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

............✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा- 2

दैनिक जागरण
www.jagran.com

जिलास्तर की प्रतियोगिता में बगहा दो का दबदबा

- क्विज, गणित ओलंपियाड और चित्रांकन प्रतियोगिता में पांच छात्राओं ने जीता दूसरा स्थान
- बगहा दो प्रखंड के आठ विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाद सूत्र, जागरण • बगहाः बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता में बगहा दो प्रखंड के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न वर्गों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से पांच छात्राओं ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रखंड का नाम रोशन किया। क्विज प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा अनुष्का कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आराध्या कुमारी ने वर्ग छह से आठ में दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय पटखौली की छात्रा सिम्मी कुमारी ने वर्ग नौ से 12 में प्रथम स्थान के बराबर अंक प्राप्त करने के बावजूद द्वितीय स्थान हासिल किया। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आशी कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और प्रखंड का गौरव बढ़ाया। वहीं चित्रांकन प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा निधि कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राथमिक विद्यालय बोदसर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, जहां से दो छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया और दोनों ने जिला स्तर पर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार बगहा दो प्रखंड से कुल आठ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिनमें से पांच विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर बगहा दो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी फूदन राम ने क्षेत्र के सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने खुशी जताई और विजेता विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला में सम्मानित होते बगहा दो के शिक्षक व छात्राएं • सौ. शिक्षक

अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में बांटे गए मूल्यांकन परिणाम

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर मे अभिभावक शिक्षक गोष्ठी मे मेधावी छात्राओं को मेड व प्रगति पत्रक देकर सम्मानित करते प्रधानाध्यापक व शिक्षक • सौ. प्रधानाध्यापक

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में सोमवार को अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों का वार्षिक मूल्यांकन परिणाम जारी कर अभिभावकों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य थीम "प्रवेश से प्रगति तक" रखा गया, जिसमें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और व्यवहार संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहि करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृत स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों मेडल एवं प्रगति पत्रक दे सम्मानित किया गया। इससे ब में उत्साह का माहौल देखने मिला। विद्यालय के प्रधानाध्याप शैलेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रद करने के लिए लगातार प्रयास कि जा रहा है। उन्होंने कहा अभिभावकों और शिक्षकों सामूहिक सहयोग से ही बच्चों बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया सकता है। इस दौरान विद्यालय शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

10.04.26

संवाद सूत्र, जागरण • बगहाः राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो का प्रांगण सोमवार को भावनाओं से सराबोर दिखा। सत्र 2025-26 के वर्ग-पांच के विद्यार्थियों का विद्यालय में अंतिम दिन एक यादगार और प्रेरणादायी क्षण बन गया। वर्षों तक जिस आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजती रहीं, वहीं से विदा लेते समय उनके चेहरे पर खुशी और उदासी दोनों के भाव स्पष्ट झलक रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों के सम्मान के साथ हुई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विदाई को विशेष बनाने के लिए विद्यार्थियों ने एक सराहनीय पहल करते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। यह दृश्य अत्यंत भावुक था। प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री निधि कुमारी कक्षा V

विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने

जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम चित्रांकन में भाग लिया

तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा० शि० एवं समग्र शिक्षा

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री अनुष्का कुमारी कक्षा V

विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने

जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम क्विज में भाग लिया

तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा० शि० एवं समग्र शिक्षा
पश्चिम चम्पारण, बेतिया।

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण बेतिया।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org